

डॉ. जॉन ओसवाल्ट, किंग्स, सत्र 24, भाग 1

2 राजा 13-14, भाग 1

© 2024 जॉन ओसवाल्ट और टेड हिल्डेब्रांट

जेहू ने अपने सुधार का नेतृत्व किया जो आंशिक रूप से बाल से छुटकारा पाने में सफल रहा, लेकिन सोने के बछड़ों से छुटकारा पाने के लिए पूरी तरह से आगे नहीं बढ़ा। उसकी जगह उसके बेटे यहोआहाज ने ले ली है, और अब उसकी जगह योआश ने ले ली है। योआश लगभग 786 तक शासन करने वाला है, और लगभग 795 में, उसका बेटा यारोबाम द्वितीय सिंहासन पर आने वाला है।

अब, वास्तव में यह सह-शासन क्यों था, हम नहीं जानते, और हमारे पास इसका कोई सकारात्मक प्रमाण नहीं है कि ऐसा था, लेकिन संख्याएँ अन्यथा काम नहीं करतीं। वह 753 तक शासन करने जा रहा है, इसलिए वह इज़राइल है, वह उत्तरी राज्य है। दक्षिण में, यहूदा में, मुझे इसे थोड़ा ऊपर रखना होगा, योआश का पुत्र, और फिर से हम दो राज्यों के बीच संबंध देखते हैं; वास्तव में, योआश भी योआश है, इसलिए इन दोनों लोगों का नाम एक ही है।

योआश का बेटा अमाज्याह योआश के लगभग उसी समय सिंहासन पर आता है, और जैसा कि हम देखने जा रहे हैं, उत्तर और दक्षिण के बीच संघर्ष होता है, और 791 में अमाज्याह को योआश द्वारा पकड़ लिया जाता है, और उस समय उसके 16 वर्षीय बेटे उज्जियाह या अजर्याह को सिंहासन पर बिठाया जाता है। हमें नहीं पता कि अमाज्याह कितने समय तक कैद में रहा। सबसे अच्छा अनुमान यह है कि यह योआश की मृत्यु तक था, लेकिन उसके वर्षों के अनुसार वह अगले 15 वर्षों तक सिंहासन पर रहा।

तो, सवाल यह है कि जब उज्जियाह कथित तौर पर सिंहासन पर था, उस दौरान वह कहाँ था? हम आज रात उज्जियाह के बारे में बात नहीं करने जा रहे हैं, लेकिन हम इन तीन लोगों के बारे में बात करने जा रहे हैं: योआश, अमाज्याह और यारोबाम। और एक बहुत ही महत्वपूर्ण तरीके से, हम देखते हैं कि सफलता आपके लिए क्या कर सकती है। हम योआश से शुरू करते हैं।

योआश को, जैसा कि यहाँ चित्र में दर्शाया गया है, सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह से दर्शाया गया है। सबसे पहले, अध्याय 13 की आयत 11 में कहा गया है, "...उसने यहोवा की दृष्टि में बुरा किया, नबात के पुत्र यारोबाम के पापों से दूर न हुआ, जो उसने इस्राएल से करवाए थे, और वह उनमें लगा रहा।" खैर, वे पाप हैं मूर्तिपूजा, सोने के बछड़ों की पूजा, साथ ही उन पुजारियों का उपयोग जो हारून वंश के नहीं हैं, और यहोवा द्वारा निर्दिष्ट तिथियों से अलग तिथियों पर त्यौहार मनाना। इसलिए, जब आप उस वाक्यांश को सुनते हैं जो उत्तरी राज्य के हर राजा के बारे में दोहराया जाता है, तो वह यारोबाम के पदचिन्हों पर चलता था, यही हम बात कर रहे हैं।

दूसरी ओर, यदि आप श्लोक 14 को देखें, "...एलीशा उस बीमारी से पीड़ित था जिससे वह मर गया। इस्राएल का राजा योआश उसे देखने गया और उसके ऊपर रोया। मेरे पिता, मेरे पिता,

उसने पुकारा, इस्राएल के रथ और सवार।" अब, आपको शायद याद न हो, और मैं आपसे यह पूछकर अपनी प्रतिष्ठा को जोखिम में नहीं डालूँगा कि आपको याद है या नहीं, लेकिन अध्याय 2 में, यदि आप 2 राजाओं को देखें, जब एलिय्याह को स्वर्ग में ले जाया गया था, श्लोक 12, "...एलीशा ने यह देखा और पुकारा, मेरे पिता, मेरे पिता, इस्राएल के रथ और सवार।" स्पष्ट रूप से, यह वाक्यांश किसी तरह से आगे बढ़ाया गया था ताकि राजा योआश को यह पता चल जाए।

और वह कह रहा है, तुम हमारे लिए वही हो जो एलिय्याह पहले था। तुम हमारी असली रक्षा हो। तुम हमारी असली उम्मीद हो।

तो, हम कहते हैं, हम्म, हमारे पास यहाँ क्या है? हमारे पास एक आदमी है जिसका एक पैर प्रत्येक शिविर में है। हमने इस बारे में पहले भी बात की है, और हमारे पास इस बारे में फिर से बात करने का कारण होगा। यदि आप एक पैर घाट पर रखते हैं और एक पैर नाव पर रखते हैं, तो आप भीगने वाले हैं।

और यही यहाँ हो रहा है। अब, अगर आप इस अंश की संरचना को देखें तो यह दिलचस्प है। योआश का अंश वास्तव में केवल आयत 10 से 13 तक ही सीमित है।

पद 10, "...यहूदा के राजा योआश के सैंतीसवें वर्ष में और इसी प्रकार।" पद 12, "...योआश के शासनकाल की अन्य घटनाओं के लिए, उसने जो कुछ किया।" पद 13, "...योआश अपने पूर्वजों के साथ सो गया। यारोबाम उसके बाद सिंहासन पर बैठा। योआश को इस्राएल के राजाओं के साथ सामरिया में दफनाया गया।" यह उन सभी राजाओं, यहूदा और इस्राएल की विशिष्ट घोषणा है।

वह राजगद्दी पर बैठा। इस समय वह इतना बूढ़ा हो चुका था। उसने राज किया।

उसने ये काम किए। उसकी मृत्यु हो गई। उसके बाद उसके बेटे या किसी और ने उसका उत्तराधिकारी बनाया और उसे दफना दिया गया।

लेकिन फिर कहानी श्लोक 14 में फिर से शुरू होती है। तो, ऐसा लगता है कि अध्याय का बाकी हिस्सा एलीशा के साथ उसके रिश्ते, एलीशा की मौत और उसके आस-पास की घटनाओं पर केंद्रित है। ऐसा क्यों है, आपको क्या लगता है? क्या कोई इस पर विचार करता है? योआश की वास्तविक कहानी के अलावा एलीशा के बारे में यह जानकारी क्यों बताई गई? क्या इसका उद्देश्य देश के इतिहास में एलीशा के महत्व पर जोर देना था? मुझे लगता है कि यह बिल्कुल सही है।

मुझे लगता है कि यह बिल्कुल सही है। हम... यहाँ अंत है। यहाँ इस सामग्री का निष्कर्ष है जो 1 राजा अध्याय 17 में स्पष्ट रूप से शुरू हुआ था। और यह चल रहा है... मैंने आपको कई बार कहा है।

यह आखिरी बार है जब मैं यह कहूँगा। एलिय्याह, एलीशा एक ही मंत्रालय है। और एक अर्थ में योआश ने इसे पहचाना।

मैं फिर से सोचता हूँ, हम इस विभाजित हृदय को देखते हैं। वह... मुझे लगता है कि योआश आभारी है कि बाल के खतरे से निपटा गया है और उसे समाप्त कर दिया गया है। मुझे लगता है कि वह आभारी है, लेकिन वह यह कहने के लिए पूरी तरह से आगे नहीं बढ़ सकता है कि देखो, हमें इन मूर्तियों को तोड़ देना चाहिए।

अगर इसका मतलब यह है कि लोग साल में तीन बार पूजा करने के लिए यरूशलेम वापस जाते हैं, तो ठीक है। वह वहाँ नहीं जा सकता था। लेकिन मुझे लगता है कि यही सही बात है।

हाँ, हमने योआश की कहानी के विवरण पर चर्चा की है। लेकिन अब, आइए इस भविष्यवक्ता के साथ उसके रिश्ते के बारे में बात करें। और फिर, यह बहुत दिलचस्प है कि हमें एक मिश्रित तस्वीर मिली है।

एक तरफ़, एलीशा उसे पश्चाताप करने के लिए नहीं बुलाता। उसके पीछे नहीं पड़ता। श्लोक 15: एक धनुष और कुछ तीर ले आओ।

और उसने वैसा ही किया। उसने इस्राएल के राजा से कहा, धनुष अपने हाथों में ले लो। जब उसने धनुष ले लिया, तो एलीशा ने अपने हाथ राजा के हाथों पर रख दिए।

उसने कहा, पूर्व की खिड़की खोलो। और उसने खिड़की खोल दी। गोली चलाओ, एलीशा ने कहा।

और उसने तीर चलाया। एलीशा ने यहोवा के विजय के तीर की घोषणा की, अराम पर विजय का तीर। तुम अरामियों को पूरी तरह से नष्ट कर दोगे।

याद रखें, अराम सीरिया है, और इसकी राजधानी दमिश्क है। और अरामी सीरियाई हैं। याद रखें कि येहू के समय से, जो 841 है, उस समय से लेकर आज तक, सीरियाई लोग विशेष रूप से इज़राइल के लिए एक बड़ी समस्या रहे हैं, लेकिन यहूदा के लिए भी।

अब, मुझे लगता है कि इसका एक कारण यह भी है कि जेहू ने देश के हर अच्छे नेता को मार डाला। एक तरह से, 1937 में स्टालिन की तरह, पूरे रूसी सेना नेतृत्व को खत्म करके, 1941 और 42 का निर्माण किया जब लाखों रूसी सैनिक घटिया नेतृत्व के कारण मारे गए। खैर, हम यहाँ हैं।

अब, एक अर्थ में एलीशा एक आखिरी उपहार पेश कर रहा है। वह कह रहा है, ठीक है, हम अश्शूरियों की शक्ति को समाप्त कर रहे हैं। हम इस्राएल के प्रति उनके उत्पीड़न को समाप्त कर रहे हैं।

अब, मैं आपसे पूछता हूँ, ऐसा क्यों है? योआश ने पश्चाताप नहीं किया है। उसने प्रभु की ओर एक परिपूर्ण हृदय की ओर अगला कदम नहीं उठाया है। और फिर भी, एलीशा कहता है, मैं तुम्हें विजय दिलाने जा रहा हूँ।

क्या हो रहा है? क्या आप इसे अनुग्रह कह सकते हैं? यह बिल्कुल वैसा ही है जैसा परमेश्वर ने अहाब के लिए किया था। याद रखें कि परमेश्वर ने बस एक भविष्यवक्ता के रूप में आकर कहा, परमेश्वर तुम्हें मुक्ति दिलाएगा। और हम कहते हैं, एक मिनट रुको, फ़ोन यहीं रखो।

नहीं, नहीं, नहीं, नहीं। भगवान तब तक कुछ भी अच्छा नहीं कर सकते जब तक कोई सब कुछ ठीक नहीं कर लेता। खैर, अगर यह सच होता, तो यह कमरा खाली होता।

ईश्वर की कृपा उनसे बहकर उन लोगों तक पहुँचती है जो इसके लायक नहीं हैं, जिन्होंने इसे अर्जित नहीं किया है। इस उम्मीद में कि वे वास्तव में उसकी ओर मुड़ेंगे। मोक्ष की शुरुआत आप और मुझसे नहीं होती।

इसकी शुरुआत भगवान से होती है। और इसलिए, एलीशा ने कहा, तीर ले लो। राजा ने उन्हें ले लिया।

एलीशा ने उसे ज़मीन पर मारने को कहा। उसने ज़मीन पर तीन बार मारा और रुक गया। परमेश्वर का जन उससे नाराज़ हो गया।

और उसने कहा कि तुम्हें ज़मीन पर पाँच या छह बार वार करना चाहिए था। तब तुम अराम को हरा देते और उसे पूरी तरह से नष्ट कर देते। अब, तुम सिर्फ़ तीन बार हारे हो।

मुझे लगता है कि अगर मैं उस समय योआश होता, तो मैं कहता, मुझे कैसे पता था? क्या यह दिलचस्प है? इसमें क्या सबक है? क्या आप थोड़ा और जोश चाहते हैं, डेविड? उसे पूछना चाहिए था। मैं यह भी जोड़ना चाहूँगा कि मैं और अधिक ईश्वर में विश्वास करता हूँ।

भगवान पर और अधिक विश्वास करो। खैर, मुझे नहीं पता कि मैं भगवान से कितना माँगने की हिम्मत कर सकता हूँ। शायद मैं उनसे सिर्फ़ आधा गिलास भर माँग लूँ।

भगवान कहते हैं, ठीक है। लेकिन यह बेवकूफी है। मेरा मतलब है, मान लीजिए मैं उससे पूरा गिलास माँगता हूँ और वह मुझे आधा गिलास ही देता है।

इसे विश्वास की कमी कहा जाता है। लेकिन मुझे लगता है कि हमने जो बातें यहाँ कही हैं, वे बिल्कुल सही हैं। हे भगवान, मैं आपका भला चाहता हूँ।

मैं वह सब कुछ चाहता हूँ जो आपके पास है। उत्साह। भगवान, आपके पास मेरे लिए क्या है? आप चाहते हैं कि मैं आपसे क्या माँगूँ? और उस तरह का साहसी विश्वास जो कहता है, मैं उनसे वह सब कुछ माँगूँगा जो मैं माँग सकता हूँ।

सब कुछ संभव है। ऐसा हममें से किसी के बारे में मत कहो। ओह, मैं तुम्हारे लिए बहुत कुछ करने जा रहा था, लेकिन तुमने नहीं पूछा। मैं बहुत कुछ करने जा रहा था, लेकिन तुमने मुझ पर विश्वास नहीं किया।

तुम्हारी हिम्मत नहीं हुई। ओह, मेरा। ओह, मेरा।

क्या दुनिया अलग होगी अगर हम हिम्मत करें, भगवान के लिए और दुनिया के लिए? तो, एलीशा मर गया और उसे दफना दिया गया। फिर आपके पास यह दिलचस्प कहानी है। मोआबी हमलावर हर वसंत में देश में प्रवेश करते थे।

एक बार, जब कुछ इस्राएली एक आदमी को दफना रहे थे, तो अचानक उन्होंने हमलावरों का एक दल देखा। इसलिए, उन्होंने उस आदमी के शरीर को एलीशा की कब्र में फेंक दिया। जब शरीर एलीशा की हड्डियों से छू गया, तो वह आदमी ज़िंदा हो गया और अपने पैरों पर खड़ा हो गया।

मुझे उम्मीद है कि स्वर्ग में भी ऐसा ही कुछ होगा। मैं यह देखना चाहता हूँ। मैं उन लोगों को दौड़ते हुए देखना चाहता हूँ।

कहानी यहाँ क्या कर रही है? यह आखिरी बात क्यों है, एलिय्याह और एलीशा की सेवकाई का समापन दृश्य? यह किस बारे में है? पुनरुत्थान। यह जीवन के बारे में है। मृतकों में से जीवन।

कब्र से जीवन। और यह मुझे बताता है, वास्तव में, एलिय्याह और एलीशा का मंत्रालय इसी बारे में था। वे सभी विभिन्न चमत्कार, सभी मुद्दे, जब आप सब कुछ छानते हैं, तो यह मृत्यु से जीवन लाने के बारे में है।

और फिर, मैं चाहता हूँ कि यह बात मेरी सेवकाई और मेरे जीवन के बारे में कही जाए। अब, कभी-कभी, कभी-कभी, वे मृत्यु लेकर आते हैं। जब हम वापस जाते हैं और एलीशा की परिचयात्मक सेवकाई को देखते हैं, तो अध्याय दो में, दो बातें हैं।

नंबर एक है जेरिको के ज़हरीले पानी को शुद्ध, स्वच्छ पानी में बदलना। और नंबर दो, भालुओं द्वारा 42 युवकों की हत्या। वाह!

लेकिन यह सच है। यह सच है। और जैसा कि मैंने आपसे कई बार कहा है, परमेश्वर का इरादा जीवन लाना है।

परमेश्वर का इरादा दुष्ट और भ्रष्ट लोगों को शुद्ध करना है। लेकिन वह जीवन लाता है या नहीं, यह हम पर निर्भर करता है। हमारे पास एक विकल्प है।

इसीलिए पॉल कहते हैं कि यह एक दिलचस्प बात है। आप कुछ लोगों के लिए जीवन की आभा हैं, और दूसरों के लिए आप मौत की सांस हैं। हाँ, हाँ, हाँ।

एलिय्याह और एलीशा इस बात के स्पष्ट प्रमाण हैं कि परमेश्वर उन जीवनो के माध्यम से क्या कर सकता है जो पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं, इसके विपरीत हमने येहू से लेकर अब तक के विभिन्न राजाओं को देखा है, जो आधे-अधूरे मन से काम करते हैं। हाँ, मैं परमेश्वर के तरीके से काम

करना चाहता हूँ, लेकिन पूरी तरह से नहीं। ऐसा नहीं जहाँ मुझे नुकसान उठाना पड़े, ऐसा नहीं जहाँ इससे समस्याएँ पैदा हों।

जैसा कि मैंने पहले कहा है, इसका क्या मतलब होगा? यदि आप उन सोने के बछड़ों को नष्ट कर देते हैं, और लोग यरूशलेम में पूजा करने के लिए वापस जाने लगते हैं, तो आप अपना राज्य खो देंगे? किस कीमत पर? आयत 22 और 23 पर ध्यान दें। अराम के राजा हेज़ल ने यहोआहाज के शासनकाल के दौरान इस्राएल पर अत्याचार किया। यह उसका पूर्ववर्ती है।

यह योआश का पूर्ववर्ती है। लेकिन प्रभु उन पर दयालु था, दया करता था, और उनके लिए चिंता दिखाता था, किस वजह से? अब्राहम, इसहाक और याकूब। वे लोग अब तक एक हज़ार साल से ज़्यादा समय से मर चुके हैं।

क्या हो रहा है? यह हमें परमेश्वर के बारे में क्या बताता है? वह अपनी वाचा निभाता है। वह विश्वासयोग्य है। वह भरोसेमंद है।

वह विश्वसनीय है। वह अपनी बात पर अडिग है, हालाँकि हज़ार साल बीत चुके हैं। अब, यह दिलचस्प है।

वह मूसा के साथ अपनी वाचा के बारे में नहीं कहता। अब्राहम, इसहाक और याकूब पर इतना ज़ोर क्यों दिया गया? अब्राहम से उसका क्या वादा था? तुम्हें एक महान राष्ट्र बनाने जा रहा हूँ। कहाँ? हाँ, पूरी दुनिया में, लेकिन खास तौर पर इस्राएल में, यहूदा में।

इसलिए, वे वहाँ से भगा दिए जाने के लायक हैं। वे बेदखल किए जाने के लायक हैं। लेकिन परमेश्वर कहता है, हे मनुष्य, मैंने एक हज़ार साल पहले अब्राहम, इसहाक और याकूब से वादा किया था कि मैं उन्हें यह ज़मीन दूँगा।

मैं उन्हें कैसे बाहर निकाल सकता हूँ? खैर, आखिरकार, वह उन्हें बाहर निकाल देगा, लेकिन तुरंत नहीं। और आप इसे देख सकते हैं, आप इसे होशे में देख सकते हैं। मैं यह कैसे कर सकता हूँ? फिर भी, होशे उत्तरी राज्य के विनाश के लिए सही हो सकता है।

और भगवान कह रहे हैं, मैं यह कैसे कर सकता हूँ? खैर, भगवान, यह बहुत आसान है। उन्होंने आपकी वाचा को लाखों टुकड़ों में तोड़ दिया है। बस उन्हें वह दें जिसके वे हकदार हैं।

भगवान कहते हैं, नहीं, मैं ऐसा नहीं कर सकता, या कर सकता हूँ? वाह, क्या भगवान है। तो, वह कहते हैं, आज तक, क्या यह दिलचस्प नहीं है? और आज तक बहुत सारी स्याही बहा दी गई है। यह दिन क्या है? हाँ, क्योंकि राजाओं की ये पुस्तकें निर्वासन के दौरान पूरी हुई हैं।

तो, क्या यह पहले वाला संस्करण है, या क्या वह वास्तव में कह रहा है, हाँ, हम निर्वासन में हैं, लेकिन वह अभी भी हमें नष्ट करने या अपने सामने से हमें निर्वासित करने के लिए तैयार नहीं है? वाह, यह फिर से विश्वास है, अगर ऐसा है। और मुझे लगता है कि यह है, मुझे लगता है कि यह है।

मैं आज भी सोचता हूँ कि यह निर्वासन के दौरान की बात है। हम यहाँ हैं, लेकिन हमें पूरा भरोसा है कि भगवान ने हम पर भरोसा नहीं छोड़ा है क्योंकि वह उस तरह का भगवान नहीं है।